2027 तक साइबर डफिंस कॉरडिोर में होगा झारखंड

चर्चा में क्यों?

21 नवंबर, 2022 को झारखंड यूनविर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) सभागार में प्रोजेक्ट-आरंभ के तहत आयोजति कार्यशाला में कंप्यूटर इमरजेंसी रस्पिॉन्स टीम-इंडयिा (सीईआरटी-इन) के महानदिशक संजय बहल ने बताया कि अगले 10 वर्ष में एक मलियिन साइबर इंजीनयिर तैयार करने का लक्ष्य है तथा वर्ष 2027 तक झारखंड को दुनयिा के साइबर डफिंस कॉरडिोर के रूप में बढ़ावा दयिा जाएगा।

प्रमुख बदिु

- संजय बहल ने बताया कि साइबर सुरक्षा के लयि झारखंड में पाँच बलियिन डॉलर नविश आकर्षति करने का कार्य कयिा जा रहा है।
- उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम वैश्वकि समस्या बन गई है और इससे नपिटने के लयि सबको मलि कर कार्य करने की आवश्यकता है। इस दशिा में क्लस्टर बना कर कार्य करने होंगे तथा इस ज्वलंत समस्या से नपिटने के लयि देश में लगभग तीन लाख साइबर आर्मी की भी नयिुक्ति की जायेगी।
- जेयूटी के सभागार में आयोजति कार्यक्रम में उच्च व तकनीकी शकि्षा वभिाग के सचवि राहुल पुरवार ने बताया कि इस समस्या से नपिटने के लयि गाँव-गाँव जाकर लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है तथा ट्रेनगि टू ट्रेनर की व्यवस्था करनी होगी।
- उन्होंने बताया कि इस ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करने के लयि रोडमैप बनाने की आवश्यकता है तथा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम हेतु नर्धिारति शुल्क राज्य सरकार की ओर से दयिा जाएगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jharkhand-in-cyber-defence-corridor-by-2027